अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BHOPAL

Saket Nagar, Bhopal (M.P.) – 462020

(जन सम्पर्क प्रकोष्ठ)

प्रेस विज्ञप्तिः 15 अगस्त 2020

एम्स, भोपाल मे 74वां स्वतंत्रता दिवस समारोह–आयोजनः

एम्स, भोपाल में आज सवेरे स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम बड़े उत्साह एवं गर्व के साथ मनाया गया। कोविड महामारी से भी संस्थान के कर्मचारियों के जोश एवं राष्ट्रवादी विचारों में कोई कमी नही आई। हांलाकि सामाजिक दूरी एवं अन्य सुरक्षा नियमों के अनुपालन में इस कार्यक्रम में विभिन्न संवर्गो एवं छात्रों के प्रतिनिधियों, कर्मचारियों को सम्मिलित किया गया। इस कार्यक्रम को एम्स, भोपाल की वेबसाइट पर भी प्रसारित करने का प्रबंध भी किया गया था जिससे कि संस्थान के अन्य कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में भागीदार बन सकें।

74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रो. सरमन सिंह द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया एवं सभी को बधाईयां दी गई। इस अवसर पर उनके द्वारा एम्स, भोपाल की नई वेबसाइट का उद्घाटन भी किया गया जो कि संस्थान की सूचना एवं सुविधाओं को प्रयोक्ता के लिए आसानी से उपलब्ध करवाती है।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए देशवासियों द्वारा राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए दिये गए महान बलिदान तथा अहिंसा के बल का स्मरण किया। उन्होंने राष्ट्र द्वारा पिछले 73 वर्षों में रक्षा, अंतरिक्ष तकनीकी, कृषि, आई टी, महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा इत्यादि को सम्मिलित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित उल्लेखनीय उपलब्धियों का भी स्मरण किया। उन्होंने हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में देश नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उनके द्वारा विगत वर्ष दौरान एम्स, भोपाल द्वारा अर्जित विशिष्ट उपलब्धियां जैसे ओपीडी के लिए नई सुविधाएं, अतिरिक्त आईसीयू सुविधाओं सहित कुल बेड संख्या में वृद्धि, कैंसर देखभाल के लिए संसाधनों का विकास, रेडियोथैरेपी, विष विज्ञान केंद्र, चिकित्सा उपकरण जैसे की वेंटिलेटर, संकाय सदस्यों एवं अन्य कर्मचारियों की भर्ती इत्यादि से संबंधित जानकारी को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि एम्स, भोपाल विभिन्न क्षेत्रीय मेडिकल कॉलेजों का परामर्शदाता होने के साथ–साथ विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रजिस्ट्री तथा विभिन्न सहयोगपूर्ण क्लिनिकल ट्रायल में भागीदार है। एम्स, भोपाल में मेडिकल ट्रांसलेसन जैसी नई सुविधाओं का आरंभ किया गया है जिसके माध्यम से उत्कृष्ट शोध एवं शैक्षणिक उचाईयों के वचन का पालन किया जा रहा है।

प्रो. सरमन सिंह द्वारा क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए मध्यप्रदेश राज्य सरकार के साथ एम्स, भोपाल की आपसी सहयोग की कार्य व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने एम्स, भोपाल की ओर से माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री हर्ष वर्धन जी, मध्यप्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी तथा राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों जो कि संस्थान को निरंतर समर्थन, मार्गदर्शन तथा प्रोत्साहन प्रदान करते रहे हैं, के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इससे एम्स, भोपाल अपने मानवता की सेवा के दृष्टिकोण तथा उद्देश्य की ओर निरंतर अग्रसर रहा है।

प्रो. सरमन सिंह द्वारा स्वास्थ्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों तथा अन्य जिन्होंने ड्यूटी करते हुए कोविड में अपने प्राण त्याग दिए, के परिवारो के प्रति अपनी गंहरी संवेदना व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि कोविड–19 के कारण नियमित कार्य एवं व्यवसाय को अनिशचित काल तक बंद नहीं रखा जा सकता है तथा ऐसे समय में कर्तव्य पालन से बचना उचित नहीं है।

उन्होंने हाल ही में कुछ लोगों द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों से संबंधित मामले में दुष्प्रचार करने पर चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने एक बार पुनः स्पष्ट किया कि संबंधित एजेंसी द्वारा स्वीकृत पदों के विरूद्ध आउटसोर्स कर्मचारियों को अस्थायी रूप से तब तक काम पर रखा जाता है जब तक कि नियमानुसार नियमित कर्मचारियों की नहीं भर्ती नहीं हो जाती है। उनके द्वारा यह भी जानकारी में लाया गया कि उक्त 102 आउटसोर्स कर्मचारियों में से मात्र 20 नर्सिंग अधिकारी कोविड की ड्यूटी पर कार्यरत थे तथा उन्होंने संबंधित एजेंसी को तत्काल प्रभाव से उन 20 नर्सिंग अधिकारियों की सेवा अनुबंध का विस्तार अगले 3 माह तक या कोरोना महामारी जारी रहने तक करने के लिए कहा, बशर्ते कि वे कोविड ड्यूटी करते रहेंगे।

प्रो. सरमन सिंह द्वारा सभी को बुराई और क्रूरता के प्रति सजग रहने को कहा गया क्योंकि इससे जाति, पंथ, लिंग या भौगोलिक उत्पति के नाम पर भेदभाव उत्पन्न होता है। उन्होंने बाबासाहेब जी अंबेडकर के एक कथन के साथ अपने संबोधन को विराम दिया, जो कि वर्तमान परिस्थितियों में प्रासंगिक है ''जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं करते हैं, तब तक कानून द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वतंत्रता का कोई लाभ नहीं है।''

(डॉ.लक्ष्मी प्रसाद)
अपर चिकित्सा अधीक्षक एवं
जन सम्पर्क अधिकारी

संलग्नः कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र